ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

अप्रेल - जून 2026

गोपी तालाब

गोपी तालाब सूरत के गोपीपुरा इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक झील और शहरी पार्क है, जो परिवारों और पर्यटकों के लिए मनोरंजन का एक प्रमुख केंद्र है। मूल रूप से, इस झील का निर्माण लगभग 1510 ईस्वी में सूरत के एक धनी व्यापारी और गवर्नर, मलिक गोपी द्वारा करवाया गया था; बाद में 2012 में सूरत नगर निगम ने इसका नवीनीकरण किया, जिसमें इसके ऐतिहासिक स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक सुविधाओं को भी शामिल किया गया।

तापी रीवर फ्रंट

डच गार्डन

जवाहरलाल नेहरू गार्डन

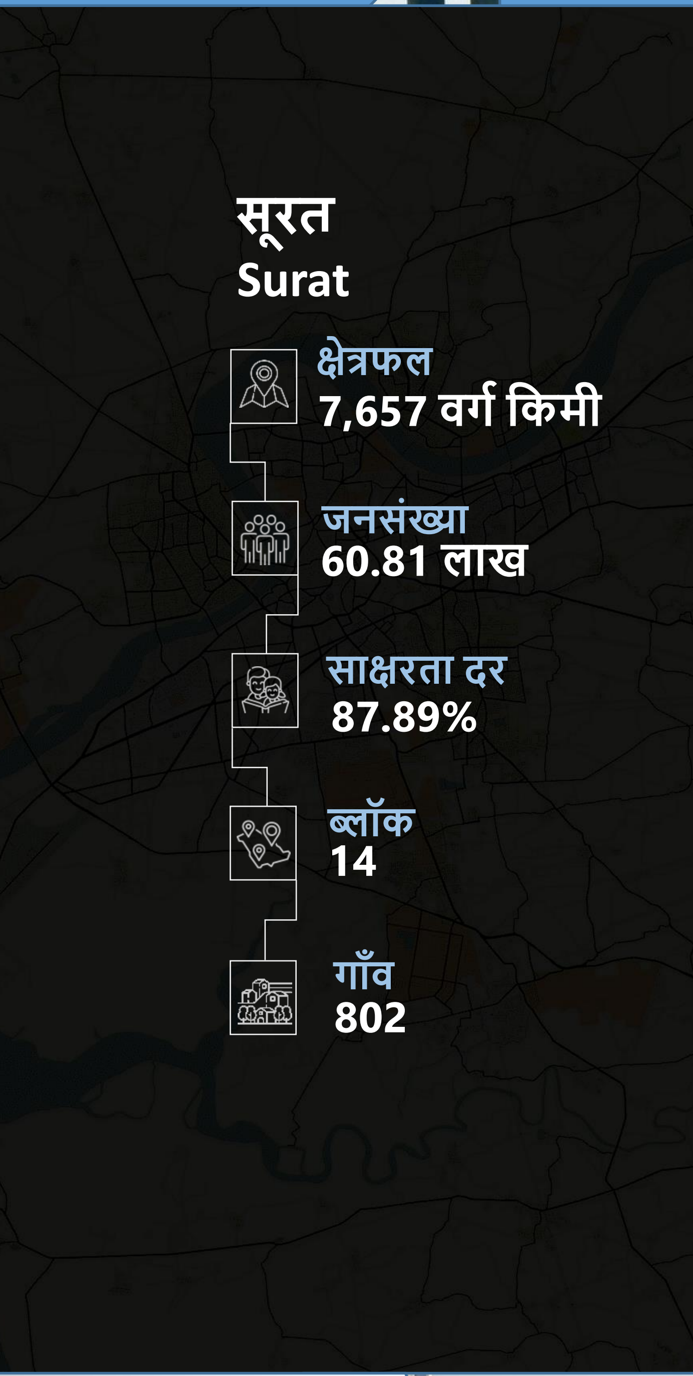

सूरत
Surat

क्षेत्रफल
7,657 वर्ग किमी

जनसंख्या
60.81 लाख

साक्षरता दर
87.89%

ब्लॉक
14

गाँव
802

जगदीशचंद्र बोस एक्वेरियम

सूरत किला

SARDAR VALLABH BHAI PATEL
museum

सरदार पटेल संग्रहालय

LALBHAI CONTRACTOR STADIUM

लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम

संपादकीय

संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार सिंह
वैज्ञानिक-जी एवं
राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी गुजरात

संपादकीय टीम

श्री शैलेष खणेशा
वैज्ञानिक-डी एवं
संयुक्त निदेशक (आई.टी.)

श्री कुणाल देराश्री
वैज्ञानिक-सी एवं
उप निदेशक (आई.टी.)

एनआईसी, गुजरात के सेवानिवृत्त अधिकारी का विवरण

श्री पंकज के. पाठक
सेवानिवृत वैज्ञानिक- एफ
कर्मचारी कोड: 3495
एनआईसी राज्य केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
एनआईसी में नियुक्ति की तारीख: 8/6/1992
सेवानिवृत्ति की तारीख: 30/5/2026

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

गुजरात राज्य केंद्र, ब्लॉक 13, द्वितीय तल,
सरदार भवन ,गांधीनगर, गुजरात 382010
✉ : sio-guj@nic.in 🌐 : https://guj.nic.in

अनुक्रमणिका

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (दक्षिण गुजरात) 2026 में एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका 1

सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा निगरानी का पोर्टल 3

राजस्व विभाग के चिंतन शिविर में एनआईसी, गांधीनगर द्वारा आईसीटी एवं तकनीकी सहयोग 4

एनआईसी, गुजरात के पोल मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव-2026 की निगरानी और प्रबंधन 5

श्री पंकज के. पाठक, 'वैज्ञानिक एफ' की सेवानिवृति पर विदाई समारोह का आयोजन 6

एनआईसी गुजरात के अधिकारियों के स्थानांतरण के उपलक्ष में विदाई समारोह 7

ગુજરાત સરકાર
વિકસિત ભારત
વિકસિત ગુજરાત
આત્મનિર્ભર ભારતના પ્રણેતા માનનીય વડાપ્રધાન
શ્રી નરેન્દ્ર મોદીના વરદ હસ્તે
₹ 18,0 કરોડથી વધુના
LiFE
Lifestyle for Environment

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (दक्षिण गुजरात) 2026 में एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका

गुजरात के प्रमुख निवेश शिखर सम्मेलन के रूप में, वाइब्रेंट गुजरात 2026 ने अपनी परिवर्तनकारी ऊर्जा को क्षेत्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए विकेन्द्रीकृत दृष्टिकोण अपनाया, और इस क्रम में सूरत ने विशेष पहचान बनाई है । दक्षिण गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) 2026 का आयोजन 1 एवं 2 मई 2026 को सूरत स्थित ऑरो विश्वविद्यालय में किया गया। सम्मेलन का मुख्य केंद्र चार प्रमुख क्षेत्रों—रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स, वस्त्र एवं परिधान, रत्न एवं आभूषण तथा कृषि क्षेत्रों पर रहा। बड़े पैमाने पर बिज़नेस-टू-बिज़नेस (बी2बी) और बिज़नेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) नेटवर्किंग बैठकों के आयोजन के लिए एक मजबूत, विश्वसनीय और त्वरित सेवा देने वाले आईटी अवसंरचना तंत्र की स्थापना की गई। इस महत्वपूर्ण आयोजन के केंद्र में एनआईसी सूरत रहा, जिसने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईसीटी का नोडल प्राधिकरण: समर्पण से अर्जित उत्तरदायित्व

विषम परिस्थितियों में भी सफलतापूर्वक कार्य निष्पादित करने के एनआईसी सूरत के उत्कृष्ट रिकॉर्ड को देखते हुए, सूरत के जिला प्रशासन, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में आयोजित बी2बी एवं बी2जी बैठकों हेतु आईसीटी समिति के नोडल अधिकारी के रूप में एनआईसी सूरत के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डीआईओ) को औपचारिक रूप से नियुक्त किया गया। आईसीटी समिति के अंतर्गत विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में कार्य करते हुए तथा इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ब्यूरो (iNDEXTb) के साथ एक प्रमुख सदस्य के रूप में, एनआईसी, सूरत ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक सभी प्रौद्योगिकी प्रणालियों की एंड-टू-एंड जिम्मेदारी संभाली। इसमें योजना, क्रियान्वयन, संचालन, निगरानी तथा तकनीकी सहायता सहित संपूर्ण आईटी अवसंरचना का प्रबंधन शामिल था।

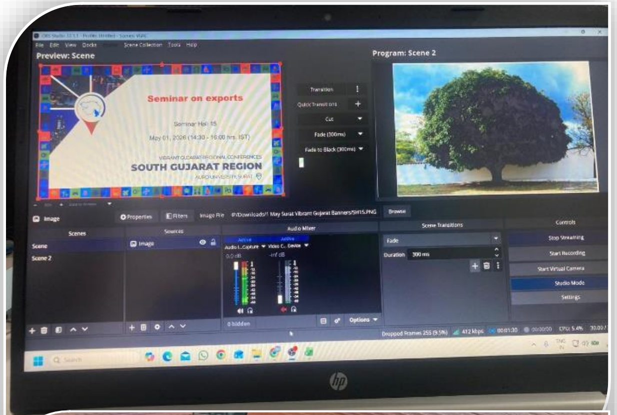
Preview: Scene
Program: Scene 2
Seminar on exports
SOUTH GUJARAT REGION

VIBRANT GUJARAT REGIONAL CONFERENCES

व्यापक तैयारी से सफल क्रियान्वयन तक

एनआईसी की भागीदारी कार्यक्रम के उद्घाटन से काफी पहले ही प्रारंभ हो गई थी। टीम ने संपूर्ण आईटी इकोसिस्टम की व्यापक योजना और समन्वय का कार्य किया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बैठक कक्षों में कंप्यूटर, डिस्प्ले स्क्रीन, प्रस्तुतीकरण (प्रेज़ेंटेशन) प्रणाली, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएँ तथा डेटा कनेक्टिविटी पूर्ण रूप से कार्यशील रहें। प्रत्येक तकनीकी घटक का गहन परीक्षण एवं सत्यापन का लिया गया, जिससे की आवश्यकता पड़ने पर उसका तुरंत उपयोग किया जा सके। बी2बी और बी2जी बैठकों के वास्तविक समय (रियल-टाइम) में निर्धारण, निगरानी एवं अद्यतन के लिए एक समर्पित आईसीटी सहायता टीम को स्थल पर तैनात किया गया। यह जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण थी, क्योंकि सम्मेलन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों और अनेक बैठक कक्षों में एक साथ सैकड़ों व्यावसायिक संवाद एवं बैठकें आयोजित की जा रही थीं। एन.आई.सी. की सक्रिय तकनीकी सहायता ने इन सभी प्रक्रियाओं के सुचारु और निर्बाध संचालन को सुनिश्चित किया।

वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (दक्षिण गुजरात) 2026 में एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रत्येक हितधारक के साथ प्रभावी संपर्क सुनिश्चित करना

एनआईसी ने केंद्रीय प्रौद्योगिकी समन्वयक (Central Technology Liaison) की भूमिका निभाई, जिसमें उद्योग विभाग, प्रोटोकॉल एवं सुरक्षा दल, स्थल प्रबंधन, बीएसएनएल , विभिन्न इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (ISPs) तथा आईटी विभागों के साथ सुचारु समन्वय स्थापित किया गया, ताकि सभी हितधारक एकीकृत और त्रुटिरहित डिजिटल वातावरण में कार्य कर सकें। आईसीटी सहायता एवं प्रत्यक्ष तकनीकी सहयोग का लाभ विदेशी प्रतिनिधिमंडलों, उद्यमियों, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स तथा सरकारी विभागों सहित विविध प्रतिभागियों को प्रदान किया गया, ताकि किसी भी प्रतिभागी को अपने कार्यों के प्रभावी निष्पादन हेतु आवश्यक तकनीकी सहायता से वंचित न रहना पड़े।

बैंडविड्थ से लेकर प्रत्येक तकनीकी आवश्यकता तक

बहु-क्षेत्रीय निवेश सम्मेलन की विविध एवं उच्च क्षमता वाली कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, एनआईसी ने बीएसएनएल तथा अन्य इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (ISPs) के समन्वय से पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शकों एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए पर्याप्त समर्पित बैंडविड्थ की उपलब्धता सुनिश्चित की। पूरे कार्यक्रम के दौरान एक सक्रिय तकनीकी सहायता टीम को तैनात रखा गया, जिसने वास्तविक समय (रियल-टाइम) में आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान कर निर्बाध संचालन सुनिश्चित करते हुए शून्य डाउनटाइम बनाए रखा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुरूप एनआईसी ने लाइव प्रसारण (सीधा प्रसारण) के समन्वय में भी तकनीकी सहायता प्रदान की, जिससे सम्मेलन की पहुंच स्थल से कहीं अधिक व्यापक स्तर तक सुनिश्चित हो सकी।

Vibrant
GUJARAT
REGI
CONFER
Regional Aspirations,

वीजीआरसी (दक्षिण गुजरात) 2026 में एनआईसी सूरत टीम

निवेश वृद्धि में टेक्नोलॉजी की उत्प्रेरक भूमिका

एनआईसी सूरत के एंड-टू-एंड आईटी मैनेजमेंट ने यह सुनिश्चित किया कि हर बी2जी डील, हर बी2जी बातचीत और हर डेलिगेशन की मुलाक़ात को एक विश्वनीय, कुशल और सुरक्षित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का सपोर्ट मिले।

सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा निगरानी का पोर्टल

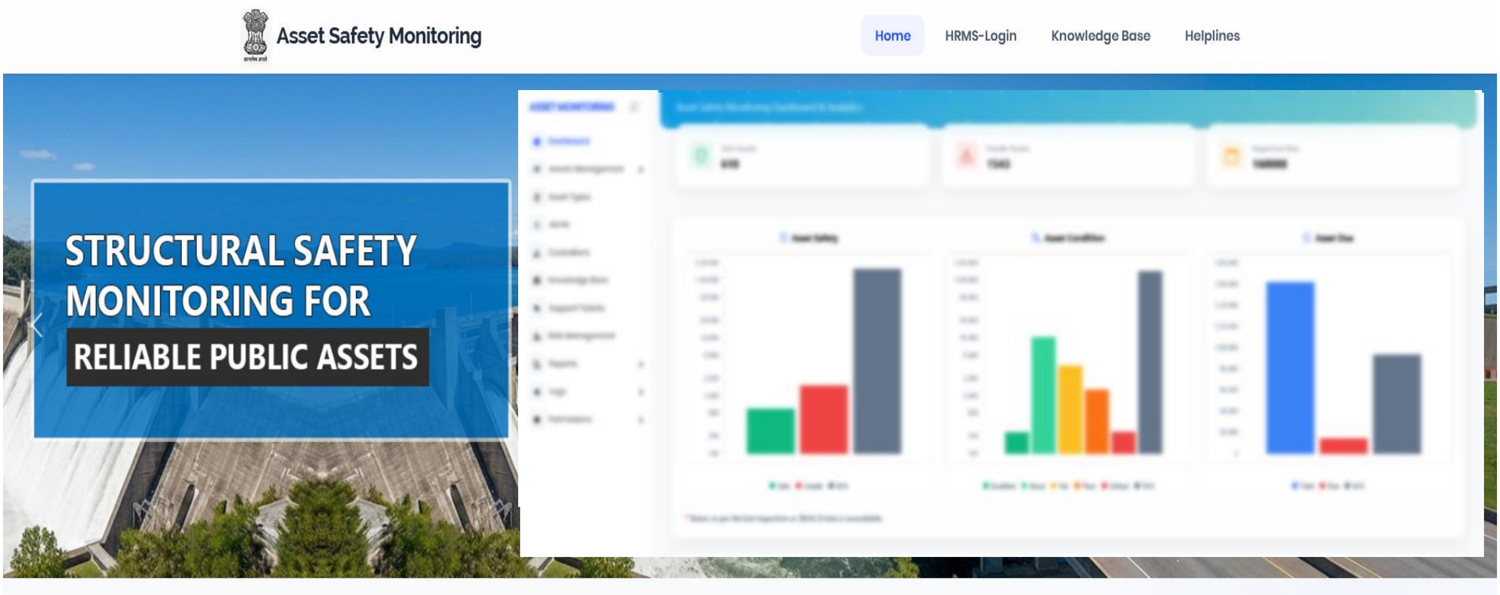
Asset Safety Monitoring
Home
HRMS-Login
Knowledge Base
Helplines
STRUCTURAL SAFETY
MONITORING FOR
RELIABLE PUBLIC ASSETS

"एसेट सेफ्टी मॉनिटरिंग पोर्टल" एक सेंट्रलाइज़्ड डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है जिसे ARTD के प्रधान सचिव, गुजरात सरकार के दिशा निर्देशन में नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (NIC), गुजरात ने विकसित किया है। इसका मकसद सड़कों, पुलों और इमारतों जैसी 1.5 लाख से ज़्यादा सार्वजनिक बुनियादी ढांचा संपत्तियों की प्रभावी निगरानी, रखरखाव और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पूर्व में, अलग-अलग विभागों के मध्य कोई सेंट्रलाइज़्ड मॉनिटरिंग सिस्टम नहीं होने से पारदर्शिता में कमी थी और फ़ैसले लेने में देरी होती थी। यह पोर्टल एसेट ट्रैकिंग, इंस्पेक्शन और सुरक्षा नियमों के अनुरूप एक यूनिफाइड सिस्टम बनाकर इन कमियों को दूर करता है, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और समय पर कार्रवाई की जा सके |

सभी सरकारी विभागों के लिए अपनी एसेट्स के बारे में पूरी जानकारी अपलोड करना ज़रूरी है, जिसमें एसेट का प्रकार, GIS-आधारित लोकेशन, फ़ोटो और कस्टोडियन की जानकारी शामिल है। इस पोर्टल पर हर एसेट को एक यूनिक डिजिटल पहचान दी जाती है, जिससे उसके पूरे लाइफ़साइकल की मॉनिटरिंग हो सके। पोर्टल में तय नियमों के आधार पर एक ऑटोमेटेड इंस्पेक्शन कैलेंडर है, जिसमें एसेट को समय पर इंस्पेक्शन सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट और रिमाइंडर की सुविधा भी है।

प्रशिक्षण सत्र

क्षेत्रीय अधिकारी अपनी सम्पत्तियों का निरीक्षण करते हैं और फ़ोटो और उसकी स्थिति मय विवरण रिपोर्ट अपलोड करते हैं। संपत्तियों को उनकी सुरक्षा स्थिति के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जिससे तत्काल ध्यान देने योग्य संपत्तियों की पहचान करने में मदद मिलती है। गंभीर या असुरक्षित संपत्तियों के मामलों में, सिस्टम मरम्मत या पुनर्निर्माण से संबंधित अनुमोदनों के लिए स्वचालित रूप से एक इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइल शुरू करता है, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होती है।

त्रि मंदिर, अडालज में राजस्व विभाग
CHINTAN SHIBIR
REVENUE DEPARTMENT
के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी
NIC
गांधीनगर द्वारा आई. सी. टी. सहयोग

CHINTAN SHIBIR
REVENUE DEPARTMENT

5 से 7 मई 2026 के दौरान राजस्व विभाग द्वारा चिंतन शिविर का आयोजन किया गया था जिसे कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट गांधीनगर द्वारा त्रि-मंदिर परिसर, अडालज में आयोजित किया गया था।

દાદા ભગવાન ફાઉન્ડેશન • અડાલજ
CHINTAN SHIBIR

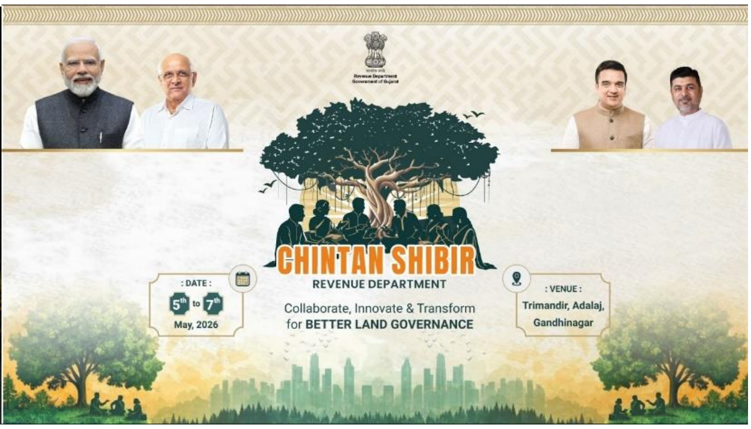
CHINTAN SHIBIR
REVENUE DEPARTMENT
: DATE :
5th to 7th
May, 2026
Collaborate, Innovate & Transform
for BETTER LAND GOVERNANCE
: VENUE :
Trimandir, Adalaj, Gandhinagar

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र गांधीनगर को आयोजन स्थल के लिए 5 से 7 मई 2026 के दौरान आई. सी. टी. सपोर्ट का दायित्व सौंपा गया था।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र गांधीनगर द्वारा शिविर के सभी स्थानों पर प्राथमिक आई. सी. टी. सेट अप के लिए एफ. एम. एस. टीम के साथ आई. सी. टी. सेवाएं प्रदान करने के लिए तकनीकी सेटअप सुनिश्चित किया |

डीआईओ गांधीनगर ने एफएमएस इंजीनियर्स को कार्यक्रम स्थल पर 24 * 7 आधार पर तैनात किया और शिविर, जिला प्रशासन और कलेक्टरों के प्रबंधन और आवश्यकता पड़ने पर शिविर और उनके कर्मचारियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान की।

चिंतन शिविर के दौरान एनआईसी टीम

शिविर के प्रत्येक स्थान के लिए आई. सी. टी. सहायता सुनिश्चित करने के लिए विक्रेता और जिला प्रशासन के साथ-साथ स्थल तकनीकी टीमों का भी समन्वय किया। श्री अतुल खूंटी, वैज्ञानिक जी एवं एएसआईओ गुजरात राज्य के नेतृत्व में एनआईसी टीम के साथ कुछ सत्रों में भी भाग लिया। जिला प्रशासन द्वारा एनआईसी द्वारा प्रदत्त सेवाओं की प्रशंसा की गई ।

एनआईसी, गुजरात के पोल मॉनिटरिंग सिस्टम (PMS) द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव-2026 की निगरानी और प्रबंधन

राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) द्वारा अप्रैल 2026 में आयोजित स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान एनआईसी गुजरात ने एंड-टू-एंड आईसीटी एवं तकनीकी सहायता प्रदान की। केंद्रीकृत पोल मॉनिटरिंग सिस्टम (PMS) के माध्यम से नगर निगम, नगर पालिका, जिला पंचायत एवं तालुका पंचायत चुनावों और उपचुनावों की वास्तविक समय डिजिटल निगरानी एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। इस प्रणाली के माध्यम से 2.5 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं और 10,010 कुल सीटों वाले इन चुनावों का प्रभावी, पारदर्शी एवं निर्बाध संचालन संभव हुआ।

प्रणाली का अवलोकन

पीएमएस राज्य और ज़िला दोनों स्तरों पर चुनाव अधिकारियों के लिए उपलब्ध करवाया गया था, जिससे डेटा एकीकरण प्रक्रिया केंद्रीयकृत होने से प्रशासन के हर स्तर पर फ़ैसले लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, सटीकता और तेज़ी आई। एनआईसी अधिकारियों ने वोटिंग, लाइव मॉनिटरिंग और नतीजे घोषित करने जैसे सभी अहम चरणों के दौरान लगातार तकनीकी सहायता, एप्लीकेशन की निगरानी और ऑपरेशनल मदद दी।

बहु-चैनल डिजिटल सुविधाएँ

रीयल-टाइम मॉनिटरिंग

चुनाव के प्रकार के आधार पर, वोटिंग के समय के दौरान 30-60 मिनट के अंतराल पर वोटिंग प्रतिशत की लगातार लाइव ट्रैकिंग।

सूक्ष्म स्तर का विश्लेषण

वार्ड, निर्वाचन क्षेत्र एवं जिला स्तर पर पुरुष, महिला और अन्य मतदाता श्रेणियों के आधार पर जनसांख्यिकीय विश्लेषण।

डायनेमिक डैशबोर्ड

पाई चार्ट, ट्रेंड लाइन तथा न्यूनतम एवं अधिकतम मतदान वाले क्षेत्रों के लिए अलर्ट और सभी जिलों में नॉमिनेशन की माइक्रो-लेवल मॉनिटरिंग के लिए गुजराती भाषा वाले डैशबोर्ड।

सुरक्षित रोल-आधारित एक्सेस

फील्ड ऑफिस से राज्य मुख्यालय तक सुरक्षित, रोल-आधारित डेटा एकीकरण प्रक्रिया का संचालन।

सिस्टम में सक्रिय मॉड्यूल

चुनाव-पूर्व

वार्ड, सीट एवं रिटर्निंग अधिकारी (RO) मास्टर, नामांकन, शपथ-पत्र, नाम वापसी तथा निर्विरोध निर्वाचन प्रविष्टि।

मतदान दिवस

प्रत्येक 2 घंटे के अंतराल में मतदान प्रविष्टि; मतपत्र संख्या एवं चुनाव चिन्ह (प्रतीक) की प्रविष्टि

परिणाम दिवस

परिणाम प्रविष्टि, विजेता की घोषणा तथा उम्मीदवार के चुनाव व्यय का अपलोड।

रिपोर्ट एवं एमआईएस

सार्वजनिक डैशबोर्ड, ई-डैशबोर्ड, एमआईएस रिपोर्ट, नामांकन विवरण एवं चुनाव परिणाम।

10,010

कुल सीटें (सभी चुनाव)

नगर निगम + नगर पालिका + जिला पंचायत + तालुका पंचायत + उपचुनाव

2.5 करोड़

पंजीकृत मतदाता

सभी चुनाव श्रेणियों में

1.72 करोड़

कुल मतों की संख्या

पुरुष + महिला + अन्य मतदाता

67%

औसत कुल मतदान प्रतिशत

नगर निगम + नगर पालिका + जिला पंचायत + तालुका पंचायत + उपचुनाव

चुनाव के प्रकार अनुसार अद्यतन अंतराल

चुनाव का प्रकार	नगर निगम	नगर पालिका	जिला एवं तालुका पंचायत
अद्यतन अंतराल	30 मिनट	30 मिनट	60 मिनट
एस्केलेशन समय-सीमा	4 घंटे	6 घंटे	8 घंटे

श्री पंकज के. पाठक, 'वैज्ञानिक एफ’ की सेवानिवृति पर विदाई समारोह का आयोजन

एनआईसी गुजरात द्वारा 30 मई 2026 को श्री पंकज के. पाठक की सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह, गुजरात सरकार के लिए G2C, G2B और G2G सेवाओं सहित विभिन्न ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के विकास और उन्हें लागू करने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना के रूप में आयोजित किया गया था। इस समारोह में गांधीनगर स्थित गुजरात राज्य केंद्र और जिला एनआईसी केंद्र के एनआईसी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

श्री प्रमोद कुमार सिंह, साइंटिस्ट-जी और एसआईओ, गुजरात ने फूलों का गुलदस्ता भेंट करके श्री पंकज पाठक का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री कुणाल देराश्री, साइंटिस्ट-सी ने श्री पंकज पाठक के परिवार के सभी सदस्यों और इस कार्यक्रम में वर्चुअल और व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया।

एसआईओ, एनआईसी, गुजरात ने ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के गुजरात मैरीटाइम बोर्ड (GMB), गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और स्टेट इलेक्शन डिपार्टमेंट समेत अन्य विभागों के लिए एंड-टू-एंड सॉल्यूशन देने में श्री पंकज पाठक के अहम योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्री पंकज पाठक द्वारा डेवलपमेंट टीम को समय पर माइलस्टोन पूरे करने में गाइड करने और यूज़र डिपार्टमेंट के साथ मिलकर उनके प्रोसेस को री-इंजीनियर करने में उनकी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट स्किल्स की भी तारीफ़ की।

श्री अतुल बी. खुंटी (वैज्ञानिक-जी), श्री हरीश एम. पटेल (वैज्ञानिक-जी) और श्री दिनेश चौहान (वैज्ञानिक-एफ) ने श्री पंकज पाठक को सम्मान चिह्न भेंट किया। राज्य और ज़िला स्तर के सहकर्मियों ने भी उनकी तकनीकी विशेषज्ञता और मार्गदर्शन की सराहना की।

यह कार्यक्रम अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय था, जिसमें उनकी लगन प्रोफेशनलिज्म तथा अनुकरणीय नेतृत्व के लिए सहकर्मियों द्वारा हृदयस्पर्शी भाषण तथा हार्दिक शुभकामनायें दी गयी।

अपने कार्यकाल में उन्होने अनेक विभागों जैसे सामाजिक न्याय, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, कृषि विभाग, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग का खाद्य औषधि एवं नियंत्रण प्रशासन तथा परिवहन विभाग आदि की विभिन्न ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के डिज़ाइन, विकास एवं क्रियान्वयन के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। अंत में, उन्होंने एनआईसी गुजरात स्टेट में अपनी 33 वर्ष और 11 माह की लंबी सेवा यात्रा के पश्चयात उन्हें शुभकामनाएँ एवं विदाई देने के लिए समस्त सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

एसआईओ, गुजरात द्वारा श्री पंकज पाठक का स्वागत

एसआईओ, गुजरात एवं अन्य अधिकारीगण श्री पंकज पाठक को गिफ्ट तथा सम्मान पत्र भेंट करते हुए

श्री तुषार मेहता, वैज्ञानिक-एफ, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सेवानिवृत्त हो रहे श्री पंकज पाठक को आने वाले वर्षों में उत्तम स्वास्थ्य, शांति एवं सुख की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति की सराहना की तथा कार्यक्रम के आयोजन के लिए श्री सुबिन थोप्पिल, वैज्ञानिक-डी एवं श्री कुणाल देराश्री, वैज्ञानिक-सी का भी आभार व्यक्त किया।

एनआईसी गुजरात के अधिकारियों के स्थानांतरण के उपलक्ष में विदाई समारोह

जून, 2026 में, नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी), गुजरात राज्य के निम्न अधिकारियों -
श्री अमित दिनकरभाई शाह [वैज्ञानिक- एफ]
श्री मेहता तुषार मनुप्रसाद [वैज्ञानिक- एफ]
श्री किरण ए. शाह [वैज्ञानिक- एफ]
श्री अब्राहम वर्गीस [वैज्ञानिक- ई]
श्री हिमांशु पी. मेहता [वैज्ञानिक- ई]
श्री देवका गुलाबसिंह [वैज्ञानिक- ई]
श्री अभिषेक आर. वच्छराजानी [वैज्ञानिक- सी]
का स्थानांतरण होने से उनके सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया।

एनआईसी राज्य केंद्र से स्थानांतरित हुये सभी 6 अधिकारीगण

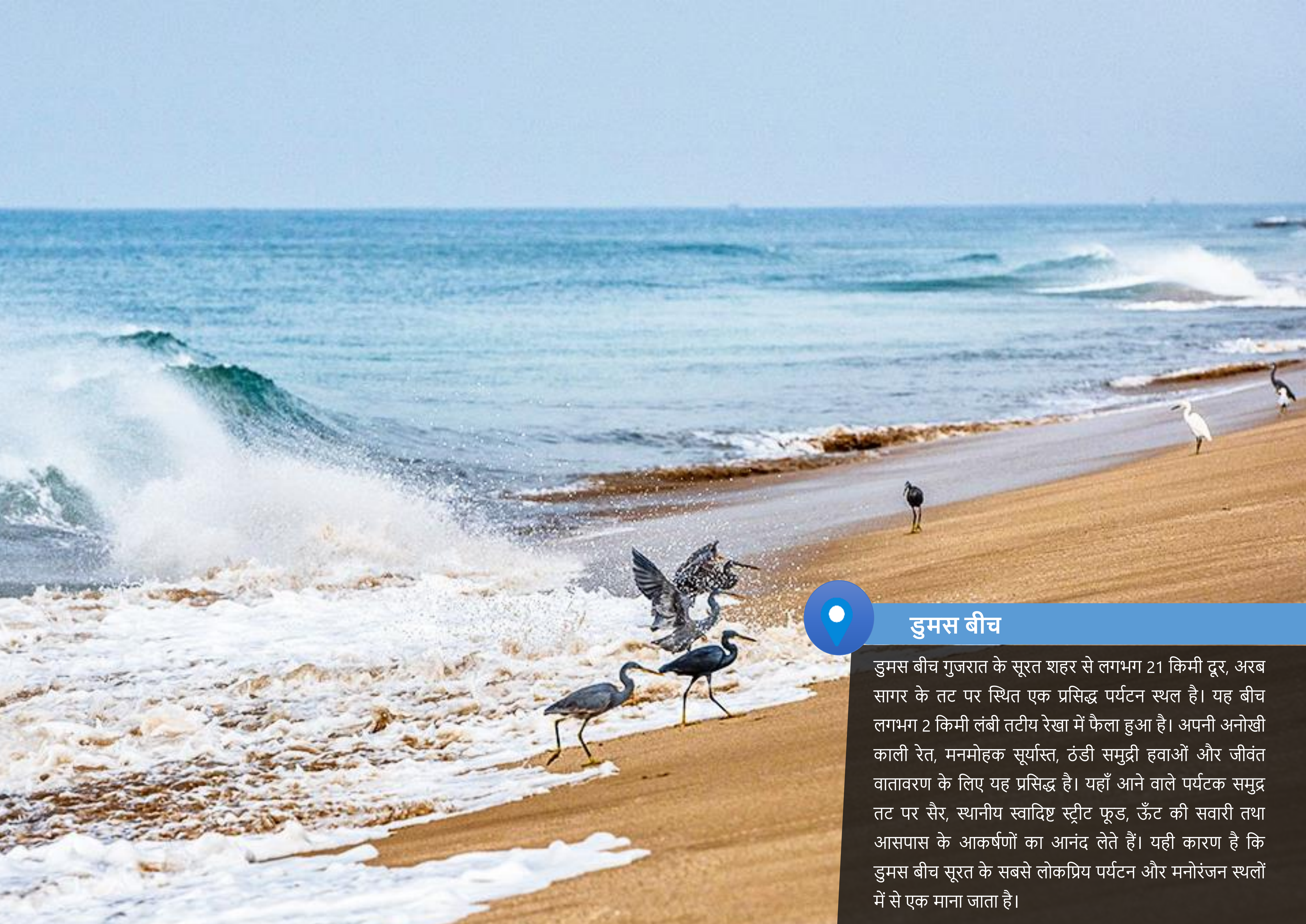

डुमस बीच

डुमस बीच गुजरात के सूरत शहर से लगभग 21 किमी दूर, अरब सागर के तट पर स्थित एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह बीच लगभग 2 किमी लंबी तटीय रेखा में फैला हुआ है। अपनी अनोखी काली रेत, मनमोहक सूर्यास्त, ठंडी समुद्री हवाओं और जीवंत वातावरण के लिए यह प्रसिद्ध है। यहाँ आने वाले पर्यटक समुद्र तट पर सैर, स्थानीय स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड, ऊँट की सवारी तथा आसपास के आकर्षणों का आनंद लेते हैं। यही कारण है कि डुमस बीच सूरत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन और मनोरंजन स्थलों में से एक माना जाता है।